nt>
Title: Need to ensure the carrier of the Indian student scientists studying on scholarship in U.S.A.

डा. शकील अहमद (मधुबनी) : सभापति महोदय, राजस्थान के पोखरन में भारत द्वारा परमाणु बम के परीक्षण किए जाने के बाद से अमरीका भारत के वैज्ञानिकों के खिलाफ और भारत के लोगों के खिलाफ पूरी दुनिया में गलत तरीके से प्रचार करके गलत तरह का काम कर रहा है।

सभापति जी, पिछले दिनों सात साइंटिस्टों को अमरीका से निष्कासित किया गया। जो लोग वहां नौकरी कर रहे थे, उनकी हमें चिन्ता नहीं है। हम उन वैज्ञानिकों को भारत में नौकरी दे देंगे मगर भारत के कम से कम १०० छात्र साइंटिस्ट जो अपना कैरियर बनाने के लिए वहां गये हैं, जो रिसर्च स्कॉलरशिप पर गये हैं या और कामों पर गये हैं, उनको भी अमरीका सरकार ने वापिस जाने का नोटिस दे दिया है। उनका जीवन खराब हो रहा है। मैं सरकार से मांग करता हूं, मैं इस बात से सहमत हूं कि सरकार ने अपने थोड़े से राजनीतिक लाभ के लिए देश को बड़ा घाटा पहुंचाया है मगर उसकी निंदा हम भारत के लोग कर सकते हैं। किसी ि वदेशी को हम यह अधिकार नहीं देते हैं कि वे हमारी अंदर की बातों पर दखल दे। आप लोगों ने इस देश को बड़ा नुकसान पहुंचाया है मगर हम अपनी बात यहां कहेंगे, भारत के लोग कहेंगे।

सभापति जी, मैं कहना चाहता हूं कि जो छात्र साइंटिस्ट स्कॉलरशिप लेकर वहां पढ़ रहे हैं, उनका जो कैरियर खराब हो रहा है, उसके बारे में मानव संसाधन मंत्री जी नोटिस दें। उनकी शिक्षा का क्या होगा, उनके कैरियर का क्या होगा, इस पर वे सोचें। वे इस बात को सुनिश्चित करें कि उनके कैरियर को नुकसान या कोई क्षति नहीं होगी।